

1

न्यायालय: माननीय राजस्व मण्डल, म०प्र० ग्वालियर,

डिम्ब / ५१२१ - I - १५

/ 2015 पुनरावलोकन

प्रकरण क्रमांक  
श्री. जे. एल. कोट  
द्वारा आज दि. २८/१२/१५  
प्रस्तुत  
क. ए. ए. ए.  
२८/१२/१५

परमसिंह (फोट) पुत्र स्व० श्री खुशाली वारिसान—

1. श्रीमती सुरजा पत्नी स्व० श्री परमसिंह कुशवाह आयु— 75 साल व्यवसाय— गृहकार्य
2. लल्लीराम (लक्कीराम) पुत्र स्व० श्री परमसिंह कुशवाह आयु—56 साल व्यवसाय—काश्तकारी
3. उदयवीरसिंह पुत्र स्व० श्री परमसिंह कुशवाह आयु— 54 साल व्यवसाय— काश्तकारी
4. सोनपाल (सोनी) पुत्र स्व० श्री परमसिंह कुशवाह आयु— 50 साल व्यवसाय— काश्तकारी निवासीगण— ग्राम अमायन तहसील मेहगांव, जिला भिण्ड, म०प्र०

—आवेदकगण

बनाम

रतनपाल (फोट) पुत्र स्व० श्री गुरुदयाल फोट वारिसान—

मुन्नीलाल पुत्र स्व० श्री रतनपाल कुशवाह आयु— 50 साल व्यवसाय— काश्तकारी निवासी— ग्राम अमायन तहसील मेहगांव, जिला भिण्ड, म०प्र०

—अनावेदक

पुनरावलोकन आवेदन अन्तर्गत धारा 51 म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 विरुद्ध आदेश दिनांकी 01/12/2015 पारित

R

क. ए. ए.

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक रिव्यु 4127-एक/15

जिला -भिण्ड

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषक आदि के हस्ताक्षर
1.2.16	<p>आवेदक की ओर से श्री जे0 एस0 गौड एवं श्री एस0 के0 श्रीवास्तव अधिवक्तागण उपस्थित। आवेदकगण पक्ष के अधिवक्तागण द्वारा प्रकरण में तर्क प्रस्तुत किये। आवेदकगण पक्ष के अधिवक्तागण द्वारा रिव्यु प्रकरण के प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया।</p> <p>2-यह रिव्यु आवेदन-पत्र इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक निगरानी 1895-एक/2011 में पारित आदेश दिनांक 1.12.15 के विरुद्ध प्रस्तुत पुनर्विलोकन प्रकरण क्रमांक 4127-एक/15 के तथ्यों पर आवेदक अधिवक्तागण के तर्क सुने गये।</p> <p>3- आवेदकगण के अधिवक्तागण की ओर से पुनर्विलोकन आवेदन में उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो प्रकरण क्रमांक निगरानी 1895-एक/2011 में वर्णित हैं। जिनका निराकरण आदेश दिनांक 1.12.15 से किया जा चुका है।</p> <p>4- रिव्यु प्रकरण क्रमांक 4127-एक/15 म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में पुनर्विलोकन में जो आधार बताये गये हैं उनके विद्यमान होने पर ही रिव्यु आवेदन स्वीकार किया जा सकता है :-</p>	

R

रिव्यु 4127-2/15

मिड

9

प्रकरण क्रमांक रिव्यु 4127-एक/15

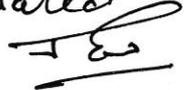
अ- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी।

ब- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती ।

स- कोई अन्य पर्याप्त कारण ।

आवेदक ने रिव्यु का जो आवेदन प्रस्तुत किया है। उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता है इसलिये इस रिव्यु आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह रिव्यु प्रकरण अग्राह्य किया जाता है। उभयपक्ष सूचित हों । प्रकरण दा0 द0 हो । राजस्व मण्डल का प्रकरण अभिलेखागार में संचय हेतु भेजा जावे।

  
सदस्य

*Noted*  


R